KING KBC

किंग के.बी.सी.

आज किसान अपनी फसलों में लगने वाली बिमारियों, कीट–व्याधियों, इल्लियों आदि से रक्षा हेतु महंगी से महंगी दवाईयां व रसायनिक कीटनाशक के इस्तेमाल के लिए मजबूर है। रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से सुन्डियों में रसायनों के प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाने के कारण रसायनों का असर कम हो जाता है जिससे और अधिक रसायनों की मात्रा को बढ़ाकर बार–बार छिड़काव करना पड़ता है जिससे किसान की फसल का लागत मूल्य बढ़ता ही चला जाता है।

किसान की फसल संबंधी उपरोक्त प्रकार की समस्याओं के हल के लिए कृषिधन बायो केयर हमेशा प्रयासरत रही है। किसान की विभिन्न फसलों में लगने वाली इल्लियों (सुण्डियों) के नियंत्रण के लिए कम्पनी ने एक आत्याधुनिक जैव उत्पाद–किंग के.बी.सी. को बाजार में उतारा है, जो कि किसानों का एक भरोसेमंद उत्पाद है।

किंग के.बी.सी. में क्या है व कैसे कार्य करता है ?

यह एक अन्य प्रकार का हर्बल जैव उत्पाद है। इसमें विशेष प्रकार की वनस्पतिक जड़ी बूटियों का अर्क जिसके प्रभाव से इल्लियों (सून्डियों) के पाचनतंत्र को प्रभावित करता है, जिससे इल्लियां अपना खाना लेना बंद कर देती है। साथ ही इल्लियों के अण्डे, प्यूपा व लार्वा अवस्था को खत्म कर इनकी वंश वृद्धि को रोकता है, बड़ी इल्लियां (सुन्डियां) के संपर्क में आने पर संकृमित होकर मर जाती है साथ ही इसमें शक्तिशाली जन्तुरोधक का गुण होने के कारण यह पौधे पत्तों, टहनियों फूलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों से बचाता है। यह जैव उत्पाद होने के कारण ज्यादा तापमान में कम सहायक है अधिक लाभ लेने के लिए सुबह या शाम को ही प्रयोग में लेवे। यह जैव उत्पाद होने के कारण रसायनिक उत्पाद कि तरह फसल पर छिड़काव के बाद खुश्की (कालापन) नहीं आता है।

किंग के.बी.सी. के लाभ :

यह एक जैविक उत्पाद होने के कारण प्रयोग से इल्लियों (सुन्डियों) पर तुरंत नियंत्रण होता है व इसका असर लम्बे समय तक रहता है।

इसके छिड़काव से फसल इल्लियों के हमले से बची रहती है व पौधें का संपूर्ण विकास होता है।

यह एक हर्बल उत्पाद होने के कारण पौधों में दवा के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित नहीं होती। छिड़काव पर किसान के स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्परिणाम को रोकता है इससे स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता की फसल प्राप्त होती है, जिससे किसान को अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

यह एक विषाक्तता रहित हर्बल उत्पाद होने के कारण प्रयोग में सुरक्षित है व मानव, जानवरों, पशु–पक्षियों व पर्यावरण के लिए दुष्परिणाम रहित है।

अधिक लाभ के लिए फसल की जमीन को पानी लगाने के बाद फसल के ऊपर इसका छिड़काव करें।

मात्रा :

1. 15 से 25 मि.ली. प्रति 15 लीटर पानी की टंकी में प्रयोग में ले।
2. अच्छे परिणाम के लिए 12 से 15 दिन के बाद दोबारा छिड़काव करवाएं।

किंग के.बी.सी. के प्रयोग की सिफारिश :

फसल पर इल्लियों (सुन्डियों) का लक्षण (अण्डे आदि) दिखाई देते ही स्प्रे करें। कीटों के हमले की संभावना हो तो छिड़काव पहले ही किया जा सकता है ताकि हमले से होने वाले नुकसान से बचा जा सकें। सभी फसलों अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जियां, फूलों व फलों आदि जिन पर इल्लियों (सुन्डियों) का प्रकोप होता है, छिड़काव की सिफारिश की जाती है। सभी फसलों पर किंग के.बी.सी. का छिड़काव करने पर अच्छे परिणाम मिलते है।

किंग के.बी.सी.प्रयोग में सावधानियां :

1. हवादार व ठण्डे स्थान पर ही रखें। 2. इस्तेमाल से पहले बोतल को अच्छी तरह से हिलाएं। 3. बच्चों की पहुंच से दूर रखें। 4. इस्तेमाल से पहले बोतल पर लगे रैपर व निर्देश पत्रिका को ध्यान से पढ़े 5. अधिक लाभ के लिए सुबह या शाम छिड़काव करें।

हमें फ्रिक है आपकी